कीमत अस्टाम्प और उन तमाम तहरीरात ज़हरी की नकल जो महकमा रजिस्ट्री में लिखि गई हो	नम्बर शुमार मुन्दरजात और किसम व मालियत मुआमला और तादाद रसूम रजिस्ट्री आदि और तादाद तावान वसूल शुद्ध	नकल वसीका रजिस्ट्री शुद्धा	कैफीयत
कागज़ चिट 3 माल्य ती 6/-/- हस्ताक्षर S. R. नाहन अंग्रेजी में 2-4-55 वसीका बैनामा द्वारा रशीद खांय: आयु 20 वर्ष ने स्वयं: रजिस्ट्री की हेतू हमारे दफ्तर मुकाम नाहन में आज 2 अप्रैल सन 1955 तदानुसार 20 चैत सं० 2012 बरोज़ शनीवार समय 11½ बजे दिन पेश किया। हस्ताक्षर रशीद खांय उर्दू में हस्ताक्षर S. R. नाहन अंग्रेजी में	नं० 17 बैनामा माल्यती Rs 100/-/- फीस रजिस्ट्री Rs 2/8/- फीस नकल Rs 1/8/- कुल 4/-/- इलफ़ाज़ 600	मनकि रशीद पुत्र इयामू दीन कौम शेख इनसारी साकिन नाहन का हूं जो अराज़ी खाता नं० 75/107 खसरा नं० 325 तादादी 0—5 बिस्वा (Bes) गिरदोनवाह नाहन में मुजाहिद ½ हिस्से का मालिक हूं जिसमें कुछ हिस्से में मकान बनी हुई है और अराज़ी खसरा नं० 325 तादादी 0—2 बिस्वे मुन्दरजा तफ़सील मुनसल का हज़ा मुफ़ीद अराज़ी है जो बाहु व तक़सीम खानगी मेरे हिस्से में आई हुई है मुझ को वास्ते अदायगी कर्ज़ा व खर्च खानगी रुपये की अशद ज़रूरत है लिहाज़ा बकायमी होश व हवास खमसा व सबात अकल मैं अपने हिस्से से अराज़ी खसरा नं० 325 तादादी 0—2 मुन्दरजा तफ़सील मुनसलका हज़ा मय जुमला हक़ हकूक मुतल्लका अशदाखली व खारजी, ज़ाहरी व बातनी तहताबा व फ़ौकाबा, मौजूदा व आइन्दा बिला इशरात गैर किसी एक कुराइक की बदले मु० 100/- रु० के निसफ़ जिसके	

कीमत अस्टाम्प और उन तमाम तहरीरात जरुरी की नकल जो महकमा रजिस्ट्री में लिखि गई हो	नम्बर शुमार मसूद्धात और किसम व मालियत मुआमला और तादाद रसूम रजिस्ट्री आदि और तादाद तावान वसूल शुद्ध	नकल वसीका रजिस्ट्री शुद्धा	कैफीयत
मजमून वसीका बैनामा हजा रसीद बाय: उप्रीतम को पढ़ कर सुनाया समझाया गया जो शरायत को समझता और इन को ठीक तसलीम करता है: ठा० दुरगासिंह जिन को मैं खुद जानता हूं शनाख्त करता है जैर समन मु० 75/- न.रु. सनमुख हमारे बाय: वसूल पा चुका है मु० 25/- घर पर वसूल पाना तसलीम करता है कुल 100/- में बैनामा हजा तकमील वा तसदीक हुवा। हस्ताक्षर रसीद-उर्दू में हस्ताक्षर S. R. अंग्रेजी में हस्ताक्षर गवाह शनाखत ठा०-दुरगासिंह अंग्रेजी में। 2.4.55		मु० 50/- रु. सिक्का राइजुल वक्त होते हैं - बदस्तूर मैं मोहनी राम पुत्र रतन सिंह राजपूत साकिने नाहन आज की तारीख से हमेशा के लिये बै कतई व कामिल कर के कब्जा मालकाना मुश्तरी मौसूफ को जायदाद मुबय्या पर आज से दे दिया है और जर समन में से मु० 25/- बतौर बयाना पेशगी वसूल पा लिया है बकाया मु० 75/- रु. बरू अफसर रजिस्ट्री कुनन्दा वसूल करूंगा अब मुश्तरी को इख्तियार है कि आराजी मुबय्या को हर तरह पर इस्तेमाल करे और किसी तरह तबदीली हैसियत जायदाद कर हकूक हर किसम से मुस्तफीद व मुतमत्ता हो नीज मुश्तरी मौसूफ को हमारे मकान की तरफ कोई दरवाजा या खिड़की रखने का हक ना होगा अगर कब्जा किसी म, काम कानूनी या नाकाती जायदाद मुबय्या वाला जिल्ला अदाए जर समन कब्जा मुश्तरी मौसूफ से निकल जा. व उस सूरत में मैं जुम्मेवार अदायगी जर समन व लागत मकान जो मुश्तरी लगा कर तामीर	

कागज दस्तावेज और उस समय सह.रेता बहरी की नकल जो महकमा रजिस्ट्री में लिखि गई हो	... दस्तखत और किस्म व मालियत मुआमला और तादाद रसूम रजिस्ट्री आदि और तारीख वापसी दस्त० हुआ	नकल वसीका रजिस्ट्री हुआ	कैफियत
हस्ताक्षर नामः के मेरे सन मुख हुये हस्ताक्षर S.R. बाहल अंग्रेजी में दस्तावेज हुआ बही नं० 1 जिल्द नं० 36 सफा नं० 66 ता 68 पर नम्बर 17 मिती 3 4/55 दर्ज किया गया। (हस्ताक्षर) ह० S. R. बाहल (हस्ताक्षर) 4/3/55		करेगा हुआ महकमा रजिस्ट्री में रजिस्ट्री करा हुआ कागजात मेरे में अमल करादुंगा लम्हा मुझको मोसूफा की जबरन रजिस्ट्री कराने व कागजात माल में अमल कराने का इकरारनामा लिखवा दे चन्द कलमे बतौर बैनामा लिख दिये की सनद रहे और वक्त जरुरत काम आवे। 2/3/55 मजमून सुनाया गया सही माना। नम्बर अमर नाथ अर्जी नवीस बाहल मुहर अर्जी नवीस अलबद रशीद बाया: हस्ताक्षर उरदू में गवाह बिशम्बर दियाल पुत्र बन्सी लाल खत्री बाहल हस्ताक्षर अंग्रेजी में। गवाह महम्मद इसहाक पिसर अब्दुल अजीज शेख बाहल हस्ताक्षर उरदू में	